राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)
श्रीरणवीरपरिसरः, कोटभलवालः, जम्मूः,
जम्मूकाश्मीरम् – 181122

राष्ट्रिय संस्कृत-प्राविधिक-कार्यशाला एवं संगोष्ठी
04 से 06 जनवरी 2019

सूचना

"संस्कृतशास्त्राणां भाषायाः च अध्यापने आभासीसंसाधनानाम् उपयोगः"

(संगणकम्, चलदूरवाणी, व्यङ्ग्यचित्रम्, अन्तर्जालसंसाधनानि - विकिपीडिया, रवकः, जाखः, चलचित्रमार्गः, आमुखपटलम्, अनुप्रयोगः तन्त्रांशः चेत्यादयः)

Use of Virtual Resources in Teaching of Sanskrit Shastra & Language.
(Computer, Mobile, Cartoon & Internet resources - Wikipedia, Twitter, Blog, YouTube, Facebook, Application & Software)

परिसर का शिक्षाशास्त्र विभाग जनवरी माह 2019 में दिनांक 4, 5, 6 को उपर्युक्त कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। यह कार्यशाला संस्कृत को आधुनिक तकनीकी से जोड़ने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण आयाम है, जो आधुनिकतम रीति से संस्कृत के अध्ययन अध्यापन की कला सिखाता है। तथा यह कार्यशाला संस्कृत में निहित ज्ञान-विज्ञान को विश्वव्यापी संजाल के माध्यम से प्रचारित और प्रसारित करने के लिए भी उपयोगी है।

आज संस्कृत के अध्यापकों के लिए प्रविधि एवं आभासी संसाधनों को जानना परमावश्यक है। अतः इस कार्यशाला के दौरान तीन दिनों में इन्हीं विषयों का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी।

अतः आप से आग्रह है कि आप अपने शिक्षणसंस्थान के संस्कृताध्यापक को इसमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

इस कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

1. व्याकरण-साहित्यादिशिक्षणे प्राविधिकोपकरणानां प्रयोगः।
2. संस्कृतशिक्षणार्थं सूचनासम्प्रेषणप्रविधेः प्रयोगः।
3. विविधप्राविधिकशिक्षणोपकरणानां निर्माणप्रक्रिया।
4. वर्ड, पब्लिशर,पॉवरप्वाइण्ट, पीडीएफ इत्यादीनां निर्माणं प्रयोगश्च।
5. व्यङ्ग्यचित्रस्य (हास्यकणिका,कार्टुन आदि) निर्माणम्।
6. वैनर-चार्ट-चित्रादीनां निर्माणम्।
7. विकिपीडियायाः उपयोगः अपलोडिंग च।
8. चलचित्रमार्गस्य प्रयोगः अपलोडिंग डॉउनलोडिंग च।
9. संगणकम् ,चलदूरवाणी ,अन्तर्जालसंसाधनानि - विकिपीडिया ,रवकः, जाखः ,चलचित्रमार्गः , आमुखपटलम् ,अनुप्रयोगः तन्त्रांशश्चादीनां संस्कृतशिक्षणे प्रयोगः।

प्रतिभागियों के लिए कार्यशाला की अनिवार्यताएँ-

1. देवनागरी लिपि में टंकन विधि एवं अन्तर्जाल के प्रयोग का ज्ञान रखते हों।
2. उनको तीनों दिन सभी सत्रों में उपस्थित रहना आवश्यक है।
3. कार्यशाला में दिए गए कार्यों को पूरा करना अनिवार्य होगा।
4. कार्यशाला में विद्यालयों के संस्कृत अध्यापक, महाविद्यालयों के प्राध्यापक, तथा शोधार्थी भाग ले सकते हैं।
5. प्रतिभागियों के पास अपना उत्सङ्ग-संगणक (लैपटॉप) हो।
6. प्रमाणपत्र उन्हीं प्रतिभागियों को दिया जाएगा जिनकी उपस्थिति कार्यशाला के सभी सत्रों में नियमित होगी।
7. कार्यशाला में मध्याह्न भोजन की व्यवस्था हमारे संस्थान परिसर से बाह्य प्रतिभागियों के लिए की जाएगी।
8. बाह्य प्रतिभागियों से पञ्जीयन शुल्क के रूप में रु. 500/- लिए जाएंगे।
9. प्रतिभागियों के लिए आवास की सुविधा नहीं है। वे अपनी व्यवस्था में रहेंगे।
10. संस्थान परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग से भिन्न प्रतिभागियों को केवल कार्यशाला में भाग लेने के लिए पञ्जियन शुल्क रु. 200/- देय होगा।
11. प्रतिभागी उपर्युक्त विषय पर अपना पत्र भी प्रस्तुत कर सकते हैं।
12. पत्र प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को कार्यशाला के अतिरिक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा।

इच्छुक प्रतिभागी दिनांक 25/12/2018 तक कार्यशाला हेतु अपना निबन्धन पत्र कार्यशाला संयोजक के ईमेल पर अथवा ह्वाटसेप पर अवश्य प्रेषित कर दें।

निबन्धन पत्र (पञ्जीयन पत्र) परिसर के जालपुट पर ऑनलाइन तथा ऑफलाइन उपलब्ध है।

प्रो. मदनमोहन झा
संयोजक
Email- mmjha44@gmail.com
Whatsapp-9004904059

प्रो.वासुदेव शर्मा
प्राचार्य